डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 46 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर >> शनिवार, 21 मई, 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

घरेलू सिलेंडर पर 3 रुपए और कॉमर्शियल पर 8.50 बढ़ाए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आमजन को महंगाई से राहत कहीं नहीं मिल रही। तेल-गैस कंपनियों ने आज घरेलू और कॉमर्शियल उपयोग के गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया है। पिछले 12 दिन के अंदर दूसरी बार कंपनियों ने गैस की कीमतों बढ़ाई है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ऑफ राजस्थान के महासचिव कार्तिकेय गौड़ ने बताया कि कंपनियों ने आज घरेलू गैस सिलेंडर पर 3 रुपए की बढ़ोतरी है, जिसके बाद आज से 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 1006.50 रुपए में मिलेगा। जबकि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 8.50 रुपए बढ़ाए है। इसके बाद आज से 19 किलोग्राम का सिलेंडर 2373 रुपए में जयपुर में मिलेगा। रसोई गैस की कीमतों का विश्लेषण करें तो पिछले 8 साल में इसकी कीमतों में 157 फीसदी का इजाफा हुआ है। मई 2014 में जब केन्द्र में एनडीए की सरकार सत्ता में आई तब घरेलू रसोई गैस की कीमत 391.5 रुपए प्रति सिलेंडर थी। उस समय लोगों को सब्सिडी सीधे खाते में देकर केन्द्र सरकार अपने स्तर पर वहन करती थी। अब 8 साल में ये कीमत बढ़कर 1006.5 रुपए हो गई। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद रसोई गैस सिलेंडर पर दी जाने वाली सब्सिडी को सीधे उपभोक्ताओं के खाते में पहुंचाने का काम शुरू किया।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए प्रमुख निर्णय

शारीरिक शिक्षा अध्यापक पद योग्यता में शामिल होंगे सीपीएड, डीपीएड एवं बीपीएडः सीएम गहलोत

सूचना सहायक, सहायक प्रोग्रामर के लिए बढ़े पदोन्नति के अवसर अब एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर पद 80 प्रतिशत पदोन्नति से भरेंगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल एवं मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। मंत्रिमंडल में प्रदेश के युवाओं के सुनहरे भविष्य, विभागों में पदोन्नतियों और चिकित्सा सुविधाओं में विस्तार कराने सहित कई अहम निर्णय लिए गए हैं। इसमें शारीरिक शिक्षा अध्यापक पद के लिए योग्यता निर्धारण में सर्टिफिकेट कोर्स इन फिजिकल एजुकेशन (सी.पी.एड) के साथ डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन (डी.पी.एड) एवं बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.एड) को रखे जाने, एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर (उपनिदेशक) के 80 प्रतिशत पदों को पदोन्नति से भरे जाने, एचसीएम रीपा में पदोन्नति के अवसर बढ़ाने, प्रदेश में नवीन न्यायालय व पदों की सूची को अद्यतन करने सहित कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मंत्रिमंडल में शारीरिक शिक्षा अध्यापक के पदों की भर्ती में अधिक से अधिक युवाओं को मौका देने के लिए बड़ा निर्णय लिया गया है। राजस्थान शैक्षिक (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 2021 में संशोधन करते हुए राजस्थान शैक्षिक (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम (संशोधित तृतीय), 2021 के अनुसार अब शारीरिक शिक्षा अध्यापक पद के लिए योग्यता निर्धारण में सी.पी. एड के साथ डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन (डी.पी.एड) एवं बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.एड) को रखे जाने पर निर्णय हुआ है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में सी.पी.एड वर्तमान में प्रचलन में नहीं है। सी.पी.एड के स्थान पर कक्षा 12वीं के बाद डी.पी.एड कोर्स संचालित है। शारीरिक शिक्षा अध्यापक का पद पे-मेट्रिक्स लेवल-10 का है, यह 100 प्रतिशत सीधी भर्ती से भरा जाएगा।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा भर्ती सूचना सहायकों, सहायक प्रोग्रामर को पदोन्नति देने के लिए अहम निर्णय लिया गया है। इसमें अब एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर (उप निदेशक) के 20 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती और 80 प्रतिशत पदों को पदोन्नति से भरे जाने का

प्रावधान किया गया है। अभी तक इस पद के लिए 50 प्रतिशत सीधी भर्ती और 50 प्रतिशत ही पदोन्नति से भरा जा रहा था। इससे अनुभवी कार्मिकों को पदोन्नति मिलने के अवसर बढ़ेंगे, जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा। इसके लिए राजस्थान कम्प्यूटर राज्य एवं अधीनस्थ सेवा नियम, 1992 के अनुसूची के बिंदु संख्या 4 के सेवा नियमों में संशोधन को स्वीकृति मिली है।

एचसीएम रीपा में सीनियर प्रोफेसर के पद सृजित होने से बढ़ेंगे पदोन्नति के अवसरः बैठक में हरिशचंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में 02 सीनियर प्रोफेसर के पद सृजित करने का निर्णय लिया गया है। इससे संस्थान में पदोन्नति के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे संस्थान का प्रशिक्षण कार्य सुचारू रूप एवं तत्परता से संपादित हो सकेगा। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग (कृत्यों का परिसीमन) विनियम, 1951 के विनियम 6 के खंड (पी) में सीनियर प्रोफेसर के पद को शामिल किया जा रहा है, जिसके क्रम में उक्त विनियम, 1951 में संशोधन किया है। उल्लेखनीय है कि एचसीएम रीपा में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों की सीधी भर्ती आरपीएससी द्वारा की जाती है और पदोन्नति के लिए विनियम में कोई प्रावधान नहीं है।

मंत्रिमंडल बैठक में राजकीय आयुर्वेद ''अ'' श्रेणी चिकित्सालय पूंजला एवं आयुर्वेद नर्स-कंपाउंडर प्रशिक्षण केंद्र पूंजला, जोधपुर को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर से पुनः राज्य सरकार (आयुर्वेद विभाग) के अधीन हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया। दोनों संस्थाओं का राज्य सरकार को हस्तांतरण होने से प्रबंधन एवं संचालन प्रभावी रूप से हो सकेगा। इनमें विभागीय योजनाओं का संचालन भी सुचारू रूप से किया जा सकेगा। इससे आमजन को आयुर्वेद चिकित्सा का समुचित लाभ प्राप्त हो सकेगा। इस निर्णय के बाद दोनों संस्थाओं के प्रबंधन के अलावा संपूर्ण भूमि एवं भवन का स्वामित्व भी आयुर्वेद विभाग का रहेगा।

राजस्थान संस्कृत शिक्षा (महाविद्यालय शाखा) सेवा नियम, 2022 मंत्रिमंडल द्वारा पारितः बैठक में राजस्थान संस्कृत शिक्षा (महाविद्यालय शाखा) सेवा नियम 2022 के प्रारूप को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ। प्रस्तावित सेवा नियम पर मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलने के बाद संस्कृत शिक्षा विभाग में महाविद्यालय संवर्ग के पदों पर भर्ती, पदोन्नति, वादकरण की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय शाखा के प्रक्रियाधीन सेवा नियमों के अभाव में महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की पदोन्नति और सीधी भर्ती के पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्णतया अवरूद्ध हो गई थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए यूजीसी रेग्यूलेशन-2018 के मापदंडानुसार योग्यता, अनुभव आदि का निर्धारण कर नवीन सेवा नियम का प्रारूप तैयार किया गया है।

नए न्यायालयों एवं पदों की सूची होगी अपडेटः मंत्रिमंडल ने राजस्थान न्यायिक सेवा नियम, 2010 की अनुसूची-1 में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया।

चोरी व लूटपाट की घटनाओं पर अंकुश लगाए सरकारः सिंघवी

हिलव्यू समाचार

छबड़ा। छबड़ा विधायक व पूर्व मंत्री प्रतापसिंह सिंघवी ने छबड़ा पुलिस की कार्यशैली पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि छबड़ा पुलिस की आरोपियों व चोरों से मिलीभगत होने के कारण उनके हौसले बुलंद है और वे घटनाओं को अंजाम दे रहे है। पुलिस के संरक्षण में वे आए दिन छबड़ा कस्बे में वारदातों को अंजाम दे रहे है। अभी हाल ही में इन्द्रा कॉलोनी में करीब सात–आठ लाख रुपये की चोरी हुई और धरनावदा चौराहे पर कपड़े व्यापारी के घर में डकेती की घटना घटित हुई। सिंघवी ने कहा कि छबड़ा कस्बा डकेती की घटना से उबर नही पाया कि राजकीय चिकित्सालय छबड़ा में दिन दहाड़े एक चोर को सोलर प्लेट की चोरी करते हुए चिकित्सक कैलाश मीणा ने देखा और उसे पकड़ने की कोशिश की तो चोर द्वारा दिन दहाड़े ब्लैड से चिकित्सक के सिर पर वार किया जिससे वह घायल हो गया। पिछले कई दिनों से छबड़ा चिकित्सालय में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट में आए दिन चोरों द्वारा चोरी की जाती है जिसकी सूचना छबड़ा चिकित्सालय के प्रशासन ने पुलिस प्रशासन को कई बार दी लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं किए जाने से चोरों में पुलिस का कोई ड़र–भय नहीं है जिससे आमजन भयभीत है। वे अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे है। चोरों द्वारा छबड़ा कस्बे में आमजन के साथ आए दिन लूटपाट, मारपीट की घटना को अंजाम दिया जा रहा है।

विधायक सिंघवी ने चोरी व लूटपाट की घटनाओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की है, जिससे भविष्य में ऐसी घटना घटित न हो।

चिंतन के बाद बेणेश्वर धाम में राहुल गांधी की सभाः कहा...

आदिवासियों का इतिहास दबा रही बीजेपी, बांटने-कुचलने का काम हो रहा

हिलव्यू समाचार

बेणेश्वर/जयपुर। राहुल गांधी ने पीएम मोदी और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी आदिवासियों को दबाने कुचलने का काम करती है। दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी है जो कहती है सबकी रक्षा करनी है, सबको जोड़कर चलना है। दूसरी तरफ बीजेपी है, बांटने का काम करती है, दबाने कुचलने का काम करती है।

बीजेपी दो हिंदुस्तान बनाना चाहती है। एक हिंदुस्तान अमीरों- उद्योगपतियों का और दूसरा गरीब आदिवासियों का। हम एक ही हिंदुस्तान के पक्ष में है। उदयपुर में तीन दिन के चिंतन शिविर में पार्टी में बदलावों का फैसला करने के बाद राहुल गांधी सोमवार को बेणेश्वर धाम में सभा संबोधित कर रहे थे।

राहुल ने कहा- 'आदिवासियों और कांग्रेस पार्टी का गहरा रिश्ता है। आपके इतिहास की हम रक्षा करते हैं। आपके इतिहास को मिटाना दबाना नहीं चाहते हैं, जब हमारी UPA की सरकार थी तो आपके लिए आपकी जमीन, जंगल, जल की रक्षा करने के लिए ऐतिहासिक कानून लाए। बेणेश्वर में जब मेला होगा तो मैं

भी आना चाहूंगा। यह आदिवासियों का महाकुंभ होता है। मैं भी आंखों से देखना चाहता हूं, दर्शन करना चाहता हूं।'

राजस्थान हेल्थ में सब प्रदेशों से आगेः राहुल गांधी ने गहलोत सरकार की तारीफ करते हुए कहा- राजस्थान की सरकार आदिवासियों के लिए काम कर रही है। राजस्थान हेल्थ में सब प्रदेशों से आगे है। यहां स्वास्थ्य के लिए 10 लाख का बीमा है। कोई भी राज्य सरकार हेल्थ के क्षेत्र में इतना काम नहीं कर रही है। इंग्लिश मीडियम स्कूल के बारे में गहलोत बता रहे थे। इसका आदिवासियों को बड़ा फायदा होगा है। वे कहीं भी रोजगार पा सकते हैं। मैं राजस्थान सरकार, अशोक गहलोत और मंत्रियों को बधाई देना चाहता हूं। आप गरीब लोगों के लिए काम कर रहे हो। आप शिक्षा, हेल्थ के लिए काम कर रहे हो।

गहलोत सबके लिए काम कर रहेः राहुल गांधी ने कहा- गहलोत सबके लिए काम कर रहे हैं। वे उद्योगपतियों के लिए काम नहीं कर रहे। बाकी बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री चंद उद्योगपतियों के लिए काम करते हैं। यहां सबके लिए काम कर रहे हैं। बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री इस तरह काम नहीं कर रहे।

गहलोत बोले...ज्ञानवापी के नाम पर बीजेपी का नया तमाशाः कहा... 100 ऐसे स्थान होंगे, जहां ये कंट्रोवर्सी पैदा करेंगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद मामले और पी. चिदंबरम के ठिकानों पर सीबीआई छापों को लेकर केंद्र सरकार व बीजेपी पर हमला बोला है। कहा- क्या तमाशे हो रहे हैं देश में, अभी एक नया तमाशा शुरू कर देंगे वाराणसी में।100 ऐसे स्थान होंगे, जहां ये कंट्रोवर्सी पैदा करेंगे। कब तक हिंदू- मुस्लिम को लड़ाते रहेंगे। सदियों से साथ रहते आए हैं और सदियों साथ रहना है। गहलोत मंगलवार को जयपुर में अल्बर्ट हॉल के सामने कांग्रेस सेवादल की आजादी गौरव यात्रा के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा- हमें अपनी बात कहने में हिचक नहीं होनी, हमने अपनी बात नहीं रखी तो इतिहास हमें भी माफ नहीं करेगा। हम अपनी विचारधारा पर अटल रहेंगे तो इतिहास में यह भी लिखा जाएगा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र, सद्भाव को बनाए रखने में कमी नहीं रखी।

सरकार गिराने का षड्यंत्र करने वाले भागते फिर रहेः सीएम ने कहा- पी चिदंबरम से मैं तिहाड़ जेल में मिलकर आया था। आज चिदंबरम के फिर CBI का छापा पड़ा है। CBI, ED का दुरुपयोग हो रहा है। पॉलिटिकल क्राइसिस के वक्त हमारे छापे पड़ गए। धर्मेंद्र राठौड़ के छापा पड़ गया, पूरे देश में नाम गूंज गया, अरे भाई ये कोई उद्योगपति है क्या? जोधपुर में मेरे भाई के यहां छापा पड़ गया। सरकार गिराने का षड्यंत्र किया गया।

अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और जोधपुर वाले शेखावत का सरकार गिराने का षड्यंत्र था। आज वह भागता फिर रहा है, वॉइस सैंपल नहीं दे रहा है। ह्रस्ठ लोकेश शर्मा पर दिल्ली में केस कर दिया, दिल्ली पुलिस उनकी है। यह तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है। उनके तमाम मंसूबे फेल कर दिए। विधायकों ने साथ निभाया, वह मामूल बात नहीं है।

ये लोग अंग्रेजों के मुखबिर थे, हमसे क्या मुकाबला करेंगे?

गहलोत ने BJP-RSS को अंग्रेजों का जासूस बताते हुए कहा- ये लोग अंग्रेजों के मुखबिर थे। पार्लियामेंट में इस पर बहस हो चुकी। ये हमसे क्या बात करेंगे? ये हमसे क्या लोहा लेंगे? ये तो अंग्रेजों के लिए जासूसी करते थे। आप सीना तानकर राजनीति कीजिए।

राजस्थान मोदी-शाह के टारगेट पर

गहलोत ने कहा- करौली में केवल एक घंटे दंगा हुआ, हमने कंट्रोल कर लिया। दंगा तो होने ही नहीं दिया। रामनवमी पर आठ राज्यों में दंगे हुए, लेकिन हमने दंगा नहीं होने दिया। करौली, राजगढ़, जोधपुर में हमने दंगे नहीं होने दिए, यही हमारी कामयाबी है। करौली को लेकर BJP और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रचार करते हैं। राजस्थान तो पीएम मोदी और अमित शाह के टारगेट पर है, इसलिए ये प्रचार करेंगे। इन्होने तो अभी से चुनाव का बिगुल बजा दिया है। इसीलिए छापेमारी शुरू कर दी है। राजस्थान में हमने तय किया है कि दंगा भड़काने वालों को बख्श नहीं सकते।

दो सांसदों, एक विधायक के खिलाफ चालान पेश करने के आदेश

बांदीकुई रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोकने, राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में सीआईडी-सीबी ने किरोड़ी-बेनीवाल और गोपीचंद को दोषी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बांदीकुई रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोकने, राजकार्य में बाधा, सरकारी और रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में सीआईडी-सीबी ने दो सांसद और एक विधायक सहित दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ चालान पेश करने के आदेश जारी कर दिए हैं। यह मामला वर्ष 2019 में बांदीकुई रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोकने, राजकार्य में बाधा, सरकारी और रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, पुलिसकर्मियों पर पथराव करने का है। सीआईडी सीबी के एसपी शरद चौधरी ने सभी नामजद लोगों को राज्य सभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा, सांसद हनुमान बेनीवाल और विधायक गोपीचंद मीणा सहित दो दर्जन लोगों को दोषी माना है। इस सम्बंध में पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर को चालान पेश करने के आदेश दिए हैं। अब जांच अधिकारी को 15 दिन में चालान पेश कर रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय भेजनी होगी। दौसा कोतवाली के तत्कालीन सीआई गणपतराम की रिपोर्ट पर दर्ज हुए मामले में 3 साल बाद सीआईडी-सीबी की जांच पूरी हुई है। जिसके बाद सीआईडी ने जांच रिपोर्ट को पुलिस अधीक्षक अजमेर को भेज दी है। गणपतराम ने रिपोर्ट में बताया

था कि थानागाजी, अलवर में हुई सामूहिक गैंगरेप की घटना के विरोध में 15 मई 2019 को किरोड़ी लाल मीणा, हनुमान बेनीवाल विधायक गोपीचंद ने संत सुंदर दास स्मारक पर विरोध सभा की थी। सभा के बाद किरोड़ी और उनके समर्थकों ने कुछ समय में ही बांदीकुई रेलवे ट्रेक पर कब्जा कर लिया था। किरोड़ी को ट्रैक खाली करने के लिए कहा तो उन्होने और उनके समर्थकों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिस में 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए। साथ ही पुलिस के हथियार टूट गए। सीआईडी सीबी ने अपनी जांच में 28 लोगों को दोषी माना है। जिस में रामेश्वर प्रसाद बैरवा, मौजीराम मीणा, नटवर लाल, राजेश मीणा, मानसिंह मीणा, बाबूलाल मीणा, गोपाल ठाकरिया, संतोष मीणा, अंतो मीणा, महेंद्र मीणा, प्यार सिंह मीणा, हेमू उर्फ हेमंत मीणा, सूखा मीणा, हितेश्वर बैरवा, महेन्द्र चांदा, लोकेश कुमार मीणा, सिकंदर पंजाबी, शाहनवाज उर्फ सन्नी खां, रवि मीणा, अरबाज, विजय मीणा, लक्ष्मीनारायण बैरवा, मोनू, राजेश मीणा, भूरा उर्फ रामसिंह मीणा के खिलाफ 147,148,149, 332, 353, 336, 3 पीडीपीपी एक्ट एवं धारा 145,153,174 रेलवे एक्ट में चालान का निर्णय लिया गया है।

संपादकीय

जिम्मेदार पड़ोसी की भूमिका निभाता भारत, संकटग्रस्त श्रीलंका की हिंदुस्तान ने पूरी उदारता से की मदद

लंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने आखिर अपनी बात सामने रखी। उन पर दबाव स्पष्ट रूप से दिखा। श्रीलंका इस समय अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। वह आर्थिक रूप से बदहाल हो गया है। जनता में भारी आक्रोश है। इसने राजनीतिक अस्थिरता का जोखिम बढ़ाया है। राष्ट्रपति गोटाबाया महीनों तक जनता की नाराजगी को अनदेखा कर कड़े एवं निर्णायक फैसले लेने से हिचकते रहे, किंतु जनता के निरंतर दबाव ने उन्हें अपने खोल से बाहर आने पर मजबूर कर दिया। हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति पद से तो इस्तीफा नहीं दिया, लेकिन रानिल विक्रमसिंघे के रूप में नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति अवश्य कर दी है। साथ ही एक युवा मंत्रिमंडल के गठन के अतिरिक्त अपनी शक्तियों पर नियंत्रण संबंधी संवैधानिक सुधारों को लागू करने का वादा भी किया है। उनके बड़े भाई महिंदा राजपक्षे के समर्थकों और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों में बीते दिनों झड़प हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने महिंदा के आवास को आग के हवाले कर दिया था। दबाव में महिंदा राजपक्षे को न केवल प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि वह इस समय नौसेना के कैंप में शरण लिए हुए हैं। राजपक्षे परिवार श्रीलंकाई जनता के कोप का केंद्र बना हुआ है। गोटाबाया भी शायद ही इससे बच पाएं। हालांकि उन्होंने कुछ विकल्प बचा रखे हैं। अपने संकटग्रस्त देश के भविष्य की खातिर वह कई पक्षों के साथ संवाद में लगे हुए हैं। यह जरूरी है, क्योंकि श्रीलंका अराजकता के कगार पर है और यदि राजनीतिक बिरादरी ने समय रहते कोई समाधान नहीं निकाला तो स्थिति का बद से बदतर होना तय है। वहां बिगड़े हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि साल में दूसरी बार आपातकाल लगाना पड़ा है। श्रीलंकाई केंद्रीय बैंक के गवर्नर नंदलाल वीरसिंघे ने आशंका जताई है कि अर्थव्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो सकती है कि उसकी भरपाई संभव नहीं होगी। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए उन्होंने कहा है कि जल्द ही नई सरकार गठित की जाए और यदि दो हफ्तों में राजनीतिक स्थिरता नहीं आती तो बड़ी मुश्किल होगी। राजनीतिक स्थिरता इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि वहां सैन्य तख्तापलट की अटकलें जोर पकड़ने लगी थीं, जिनका सेना को खंडन करना पड़ा। ये अटकलें राजनीतिक-आर्थिक परिदृश्य में सेना की बढ़ती भूमिका के चलते लगाई जाने लगी थीं।

स्वतंत्र श्रीलंका के इतिहास में यह अभी तक का सबसे बड़ा आर्थिक संकट है। इससे भी बड़ी त्रसदी यह है कि संकट की इस घड़ी में कोई उसका खेवनहार नहीं दिखता। राजपक्षे परिवार ने आर्थिक कुप्रबंधन से उस अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क कर दिया है जो कुछ साल पहले तक शानदार प्रदर्शन कर रही थी। महिंदा, उनके बेटे नमल सहित उनके भाई बासिल और चामल भी अपने पदों से चलता कर दिए गए हैं। इसके बावजूद श्रीलंकाई सड़कों पर उमड़े प्रदर्शनकारियों का आक्रोश थमता नहीं दिखता, जो स्वयं को राजपक्षे परिवार द्वारा ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। गोटाबाया का राजनीतिक भविष्य भी अधर में दिख रहा है और इस संकट का सामना करने में अभी तक उनका प्रदर्शन भी लचर ही रहा है। वैसे तो इस आर्थिक संकट के बीज श्रीलंका की पिछली कुछ सरकारों के दौरान ही बो दिए गए थे, लेकिन 2019 के चुनाव में गोटाबाया द्वारा करों में बेतुकी कटौती के दांव से इस आर्थिक आपदा ने जल्द ही विकराल रूप धारण कर लिया। फिर कोविड महामारी आ गई। उसने पर्यटन पर आश्रित श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था की कमर तोड़कर रख दी। इसी दौर में श्रीलंका ने खेती में रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग पर प्रतिबंध जैसे खराब फैसले भी लिए। इससे खाद्य उत्पादन बुरी तरह गिर गया। जब तक इस फैसले को पलटा गया तब तक भारी नुकसान हो चुका था। खाद्य उत्पादन में भारी गिरावट आई। श्रीलंकाई रुपये की पतली होती हालत से खानपान, दवाओं और ईंधन जैसी बुनियादी जरूरत की चीजों की भारी किल्लत हो गई। बिगड़े हालात ने श्रीलंकाई जनता को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया, क्योंकि सरकार को उसकी बातें सुनाई पड़ती नहीं दिख रही थीं।

इस आर्थिक संकट में चीन भी एक अहम किरदार है। श्रीलंका ने चीन से भारी-भरकर कर्ज लिया और वह भी उन परियोजनाओं के लिए जो उसके लिए आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं थीं। महिंदा राजपक्षे से अपनी करीबी का फायदा उठाते हुए चीन ने हंबनटोटा में बंदरगाह और उसके निकट मट्टाला में हवाई अड्डा बनाने का अनुबंध किया। ये दोनों ही इलाके महिंदा के निर्वाचन क्षेत्र में आते हैं। कर्ज न चुका पाने के चलते श्रीलंका को हंबनटोटा बंदरगाह चीन को 99 साल के पट्टे पर देने के लिए विवश होना पड़ा। श्रीलंका पर चीन का करीब 6.5 अरब डालर का कर्ज है। यह मामला असल में चीन की कर्ज के जाल में फंसाने वाली कुटिल नीति का सटीक उदाहरण है। कर्ज पुनर्गठन को लेकर चीन के साथ बातचीत भी बहुत प्रभावी नहीं रही है। हालांकि वह अपनी मुद्रा रेनमिनबी के बदले श्रीलंकाई रुपये को सहारा देने के लिए कुछ तैयार हुआ था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के हस्तक्षेप के कारण उसे कदम पीछे खींचने पड़े। श्रीलंका में इस समय कायम राजनीतिक गतिरोध ने मुद्रा कोष के साथ किसी राहत पैकेज पर वार्ता के लिए उसकी स्थिति को कमजोर कर दिया है। वहीं विपक्ष गोटाबाया की साझा सरकार गठित करने की पेशकश पर हिचक दिखाने के साथ ही उनके इस्तीफे पर अड़ा हुआ है। यहां भारत की भूमिका अहम हो जाती है। श्रीलंका के मामले में भारत का कूटनीतिक रवैया अभी तक सही रहा है। जहां भारत ने जमीनी हकीकत को भांपकर 2019 में राजपक्षे के सत्ता में आते ही उनके साथ संपर्क साधा वहीं हाल के आर्थिक संकट में श्रीलंका को निरंतर मदद भी पहुंचाई। इसमें कर्ज डिफाल्ट से बचने को 2.4 अरब डालर की मदद, डीजल की आपूर्ति और खानपान एवं दवाओं जैसे आवश्यक आयात के लिए एक अरब डालर की क्रेडिट लाइन जैसी मदद शामिल हैं। साथ ही वहां अपनी सेना न भेजने और श्रीलंका की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भरोसा जताकर भारत ने बिल्कुल सही किया। असल में इस संकट से श्रीलंका को स्वयं निपटना होगा। भारत इसमें एक जिम्मेदार पड़ोसी की तरह मददगार बना रहेगा, लेकिन श्रीलंका के भविष्य की कुंजी उसके नेताओं के हाथ में है कि वे किस प्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाकर जन आकांक्षाओं की पूर्ति करेंगे।

FASHION जोन

हॉट सीजन का स्टाइल स्टेटमेंट

इस सीजन की हॉट स्टाइल स्टेटमेंट है समर कोट. इन दिनों कई सिलेब्रिटी को खास मौकों पर समर कोट पहने देखा जा सकता है. खास तौर पर गर्ल्स तो इसकी दीवानी हैं, क्योंकि बिना किसी खास एफर्ट के इस ड्रेस से आसानी से स्टाइलिश लुक पाया जा सकता है. यही नहीं, ड्रेस को परफेक्ट लुक देने में भी यह खूब काम आता है. आप समर कोट्स के सा[illegible] बढ़िया स्टाइल स्टेटमेंट बना सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको पैटर्न अपनी बॉडी शेप के अनुसार चुनना होगा.

प्रिंट्स व कलर्स की डिमांड

चेक्स, फ्लॉवर, प्रिंट, लाइनिंग, प्लेन, कार्टून प्रिंट वगैरह में ये आपको कई स्टाइल में मिल जाएंगे. इसमें अधिकतर लाइट शेड्स लाए गए हैं. पिंक, ब्लू, लाइट ग्रीन, येलो, ग्रे, लाइट ब्राउन, पर्पल जैसे शेड्स की डिमांड ज्यादा है. समर कोट्स में गर्ल्स को जहां कार्टून व फ्लॉवर प्रिंट्स पसंद आ रहे हैं, वहीं वर्किंग वूमन चेक्स व प्लेन पैटर्न वाले कोट्स प्रिफर कर रही हैं.

स्मॉल कॉलर्स

इन कॉलर्स को फोल्ड करने की बजाय स्ट्रेट रखा जाता है. लुक को एन्हांस करने के लिए इन पर एम्ब्रॉयडरी भी की जाती है. इसमें आगे 6 से 8 बटन लगे होते हैं. वैसे, ऐसे कोट्स की फिटिंग थोड़ी लूज रहती है. चाहें, तो इन्हें स्पैगेटी पर सीधे कैरी कर लें. यह लुक लेगिंग्स या जींस के साथ ट्राई कर सकते हैं.

लांग कोट

ये घुटने से थोड़ा ऊपर तक रहते हैं. इनमें फ्रॉक, फिश, स्ट्रेट जैसी शेप ट्राई की जा सकती है, जिन्हें अंदर से बिना कोई कपड़ा पहने सीधे भी कैरी किया जा सकता है. इसे फुल ड्रेस के तौर पर भी पहन सकती हैं.

बिग कॉलर पैटर्न

इसमें कॉलर का साइज इतना बड़ा होता है कि यह कंधे तक आता है. ये फिटिंग वाले होते हैं और इसके लिए इन पर वेस्ट बेल्ट भी होती है. ये स्कर्ट साइज और वनपीस शेप में भी मिलते हैं. समर कोट में डिजाइंस के अलावा कॉलर्स में भी एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं. फिलहाल 2 तरह के कॉलर पैटर्न की डिमांड ज्यादा है.

सिंपल डिजाइन

इसमें फ्रंट साइड पर 2 पॉकेट्स अटैच की गई हैं. ये कोट्स छोटे साइज में होते हैं और इन्हें आप जीन्स व टी-शर्ट और टॉप के साथ कैरी कर सकते हैं. इसे कई कलर वाले बटन से अट्रैक्टिव लुक दिया गया है.

कोट विद स्कार्फ

इस पैटर्न कोट के कॉलर्स के साथ ही स्कार्फ अटैच्ड होता है, जिससे दूसरी एक्सेसरीज की जरूरत नहीं रहती. लांग और शॉर्ट दोनों लेंथ में आपको डिजाइन्स मिलेंगे.

BEAUTY जोन

गर्मी में बालों की देखभाल

गर्मी के मौसम में तेज धूप आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकती है. इस सीजन में बालों को तेज धूप से होने वाले नुकसान से बचाने की जरूरत होती है. गरमी के मौसम में स्कैल्प यानी सिर की त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी है. इस मौसम में सिर की त्वचा को साफ और नम बनाए रखें. इससे त्वचा संक्रमण से सुरक्षित रहती है. जिन्हें इस मौसम में बहुत ज्यादा पसीना आता है, उन्हें अपने बाल नियमित रूप से धोने चाहिए. यह भी ध्यान रहे कि पसीने के कारण सिर की त्वचा में धूल-मिट्टी जमा न हो.

माइल्ड शैंपू और तेल

अपनी त्वचा की जरूरत के अनुसार माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करें, जिसमें केमिकल न हों. जरूरत से ज्यादा शैंपू करने से भी बालों से जरूरी तेल खत्म होने लगता है. इसलिए नियमित रूप से बालों में तेल भी लगाएं. बालों को धोने के बाद अच्छा कंडीशनर इस्तेमाल करें. इससे बालों पर सुरक्षा की परत बनी रहती है, साथ ही कंडीशनर लगाने से बाल और स्कैल्प दोनों धूप में भी सुरक्षित रहते हैं. बाल ज्यादा ड्राई नहीं होते.

हाइड्रेशन यानी नमी बनाए रखें

गर्मी में पानी लगभग हर समस्या का इलाज है. यही बात बालों के लिए भी ठीक है. बालों की जड़ों को मजबूत बनाने, उनकी चमक, मजबूती बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है. सिर की त्वचा को भी स्वस्थ बनाए रखने के लिए बहुत सारा पानी चाहिए. पानी हाइड्रेशन बरकरार रखने का सबसे अच्छा तरीका है. इसके अलावा नारियल पानी, खट्टे फल, फलों का रस, नींबू पानी, डिटॉक्स वाटर आदि भी हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए बेहतरीन विकल्प हैं.

शॉर्ट हेयर दें कूल लुक

यह बहुत अच्छा आइडिया है. छोटे बाल इस मौसम में ठीक रहते हैं. वे महिलाएं जो बाल छोटे करना चाहती हैं, उनके लिए यह मौसम सबसे अच्छा है. जो अपने बालों को छोटा नहीं करना चाहतीं, इस मौसम में चोटी बनाकर रख सकती हैं.

कलरिंग से बचें

ज्यादातर डाई और हेयर कलर्स में केमिकल्स होते हैं, जो गरमी के मौसम में बालों को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं. जिन्होंने हाल ही में अपने बाल कलर करवाए हों, उन्हें अपने बालों की ज्यादा देखभाल करनी चाहिए. धूप में जाने से बचें.

- बालों की सेहत के लिए जिंक भी महत्त्वपूर्ण है. योगर्ट का सेवन इसकी पूर्ति कर सकता है.
- आयरन और विटामिन-सी बालों को डल होने से बचाते हैं. ऑरेंज, बैरीज, पालक और टमाटर अपनी डाइट में शामिल करें.

PARENTING जोन

बच्चे की तारीफ जरूर करें लेकिन जरूरत से ज्यादा नहीं

हर किसी को अपनी तारीफ सुनना पसंद होता है, चाहे वे बड़े हों या छोटे. किसी के आत्मविश्वास को बढ़ाना है तो तारीफ करना काफी हद तक सहायक है, खासकर बच्चों के लिए. किसी काम को लेकर जब माता-पिता बच्चे की तारीफ करते हैं तो बच्चों में उस काम को और बेहतर करने की इच्छा जगती है, जो उनके बेहतर विकास के लिए सहायक है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप बच्चे की जरूरत से ज्यादा तारीफ करें या उसके गलत काम को अनदेखा करें. माता-पिता को हमेशा बच्चों को किसी अच्छे काम के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए. उनके द्वारा कहे गए प्रोत्साहन भरे शब्द बच्चों में और ऊर्जा भरते हैं और वे किसी भी काम को बिना डरे और घबराए प्रभावी तरीके से करते हैं.

सकारात्मक प्रशंसा

माता-पिता अपने बच्चे की तारीफ करते यह समझ नहीं पाते कि वह किस तरह से उनकी प्रशंसा कर रहे हैं और उसका बच्चे पर क्या प्रभाव पड़ेगा. पैरेंट्स को हमेशा बच्चे की सकारात्मक प्रशंसा करनी चाहिए.

सरप्राइज दें

सरप्राइज और गिफ्ट्स किसे पसंद नहीं आते. खासकर बच्चे इसकी ज्यादा इच्छा रखते हैं. माता-पिता को चाहिए कि जब भी बच्चा कोई अच्छा काम करे तो वे उसे गिफ्ट दें. बच्चों को अगर उनका मनपसंद खिलौना, चॉकलेट या फिर किसी पिकनिक स्पॉट पर घुमाने ले जाएंगे तो वे बहुत खुश होते हैं.

प्रयास पर भी प्राउड करें

पैरेंट्स बच्चे की तारीफ करते समय हमेशा ध्यान रखें कि वे उनके प्रयास की प्रशंसा करें, उपलब्धि की नहीं. जैसे- बच्चा किसी कॉम्पटीशन जीतता है तो उनके द्वारा हासिल किए गए पुरस्कार पर गर्व करने की जगह उसके द्वारा किए गए प्रयास पर उसे प्राउड फील कराएं. इससे बच्चे में यह समझ विकसित होगी कि परिणाम से ज्यादा प्रयास का महत्व होता है.

DIET मैजिक

पेट ठंडा रखता है पुदीना

पुदीने की भीनी खुशबू और स्वाद से हर कोई परिचित है. चटनी हो या आम पना, रायता हो या पुलाव, हर किसी के साथ मिक्स होकर यह अनोखा स्वाद देता है और गर्मियों के लिए पुदीना रामबाण है. मिनरल्स से भरपूर पुदीना विटामिन-सी का भी अच्छा स्रोत है. इसकी कई वेराइटी हैं, जिसमें पिपरमिंट और स्पीयरमिंट सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाता है. आयुर्वेद में पुदीने को वायुनाशक जड़ी-बूटी के रूप में देखा जाता है, जो सीने में जलन, मितली आदि में राहत देता है.

कैसे खाएं

भारतीय किचन में पुदीने का इस्तेमाल कई रूपों में किया जाता है. ताजे दही के साथ रायता बनाने की बात हो या चटनी. ताजा या सूखा दोनों तरह के पुदीने से बहुत तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं, ज़िसमें करी, गर्म या ठंडा सूप, चटनी, सलाद, जूस आदि मुख्य हैं. चावल या बिरयानी में भी आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे खाने में स्वाद तो आएगा ही, पेट के लिए भी सही रहेगा.

सौंदर्य निखार

सेहत ही नहीं, सौंदर्य निखार के लिए पुदीना कारगर है. यह त्वचा की कोशिकाओं को नई उर्जा प्रदान करता है. साथ ही त्वचा की नमी को खोने नहीं देता. एंटिसेप्टिक होने के कारण इसका प्रयोग बॉडी क्लींजर, साबुन और बॉडी वॉश के रूप में होने लगा है. अगर त्वचा ऑइली है, तो पुदीने का फेशियल आपके लिए सही रहेगा. इसको बनाने के लिए दो बड़े चम्मच ताजा पिसे पुदीने के साथ 2 बड़े चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच ओटमील लेकर गाढ़ा घोल बनाएं. इसे चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं और चेहरे को धो लें.

सेहत के लिए फायदेमंद

- गर्मी में पुदीने का रस या कच्चे आम के रस के साथ पुदीने का सेवन करने से लू नहीं लगती है.
- पेट में गैस होने पर एक कप गरम पानी में आधा छोटा चम्मच पुदीने का रस डालकर पिएं.
- नाक बंद होने की स्थिति में ताजे पुदीने के पत्ते को सूंघना फायदेमंद रहेगा.

DRINK मैजिक

तरबूज का शरबत

तरबूज में विटामिन सी, विटामिन ए, मैग्नीशियम, पोटैशियम जैसे लाभकारी तत्त्व पाए जाते हैं.

यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है. तरबूज का जूस निकालने के लिए आसान तरीका है कि तरबूज के टुकड़ों को एक जार में डालें और हलके से हैंड ब्लेंडर चला दें. फिर छान लें ताकि बीज अलग हो जाएं. इस जूस में स्वादानुसार शुगर सिरप, काला नमक, कालीमिर्च, पुदीना पत्ती और नीबू का रस डालें. क्रश्ड लेमन आइस के साथ सर्व करें. तरबूज के जूस का दालचीनी के साथ शरबत बनाएं. बीजरहित 500 ग्राम तरबूज के टुकड़ों में एक चौथाई चम्मच दालचीनी पाउडर, स्वादानुसार शुगर सिरप, नीबू का रस डाल कर चर्न करें. क्रश्ड आइस और पुदीना पत्ती से सजाकर सर्व करें.

HEALTH जोन

समर में होती है स्किन प्रॉब्लम

गर्मी के मौसम में होनेवाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में से एक है स्किन प्रॉब्लम. त्वचा के लिहाज से गर्मी सबसे खराब मौसम हो सकता है. इसलिए स्किन समस्याओं से बचना हो तो पहले से ही कुछ उपाय कर लेने चाहिए.

धूप से एलर्जी

कई लोगों को धूप से एलर्जी होती है. जिससे शरीर पर पित्ती पड़ जाती हैं. त्वचा लाल पड़ने लगती है. पपड़ीदार और बहुत ज्यादा खुजली होने की समस्या हो सकती है. कुछ लोगों को छाले भी पड़ जाते हैं. इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप धूप से बचाव करें. ऐसे कपड़े पहनें जो आपको धूप से बचाएं. जैसे लंबी हैट, दुपट्टा आदि रखें.

रूखी त्वचा

सर्दियों की तरह की गर्मियों में भी आपकी त्वचा बेजान हो जाती है. गर्म हवा के कारण ड्राई स्किन से कई लोग परेशान रहते हैं. धूप, एसी या पूल में रहने के कारण इस तरह की चिड़चिड़ी त्वचा आपको परेशान कर सकती है. ऐसे में रूखी त्वचा से बचाव के लिए कुछ उपाय कर सकते हैं.

- धूप में निकलें तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें.
- नहाते समय त्वचा धोने के लिए माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें.
- नहाते समय गर्म पानी की बजाय गुनगुने पानी का उपयोग करें.
- नहाने के बाद और रूखी त्वचा होने पर मॉइश्चराइजर लगाएं लेकिन ध्यान रहे कि वह सुगंध रहित हो.

खुजली वाले दाने

गर्मी में अक्सर बच्चों और बड़ों को खुजली वाले दाने हो जाते हैं. जो लोग बाहर रहते हैं, धूप में अधिक समय बिताते हैं, पैदल चलते हैं, उन्हें पसीने के कारण खुजली वाले दाने हो जाते हैं. इससे शरीर पर चकत्ते पड़ जाते हैं और बहुत ज्यादा खुजली होती है. इनसे बचने के लिए धूप में कम निकलें. बाहर से आएं तो कपड़े और त्वचा को धोएं. वर्कआउट के बाद अपने कपड़ों को तुरंत बदल लें.

हीट रैशेज

गर्मियों में कई लोगों को हीट रैशेज भी हो जाते हैं. ऐसा तब होता है जब पसीना शरीर से बाहर नहीं निकल पाता और त्वचा में जमा रहता है. इसके कारण दाने हो जाते हैं और खुजली की समस्या होने लगती है. वहीं जब दाने फटने लगता है और पसीना बाहर निकलने लगता है तो त्वचा लाल होने लगती है और स्किन में चुभन महसूस होती है.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

03

जयपुर >> शनिवार, 21 मई, 2022

60 हजार की रिश्वत लेते पत्नी सहित अधिशासी अभियंता गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

झुंझुनूं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनू टीम ने आज जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड खेतड़ी के अधिशासी अभियंता रामसिंह चौधरी पुत्र नौरंग सिंह निवासी ग्राम जेजूसर, तहसील नवलगढ, जिला झुंझुनू हाल निवासी वार्ड नं. 31 न्यू कॉलोनी गली नं. 2 नोर्थ पिलानी झुंझुनू को उनके पिलानी स्थित निवास से रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पाइप लाईन लीकेज, लेबर व वाहन उपलब्ध करवाने के 3 बिलों के लिए मैसर्स पिंकी एंटरप्राईजेज पिलानी के संचालक ठेकेदार संजय से बिल पास करने के ऐवज में रिश्वत मांगी जा रही थी। ठेकेदार के पिलानी व सूरजगढ़ जलदाय विभाग के कार्यालयों में 5 लाख 54 हजार रुपए से अधिक के बिल बकाया थे। बिल पास करने की ऐवज में 70 हजार रूपए की रिश्वत मांगी गई थी। लेकिन बाद में मामला 60 हजार रूपए में तय हुआ। परिवादी ठेकेदार ने मामले की शिकायत एसीबी से की थी। जिसकी पुष्टि के बाद एसीबी झुंझुनू की टीम ने कार्यवाही की।

आरोपी अधिशासी अभियंता ने रिश्वत की राशि लेकर ठेकेदार संजय को लोहारू रोड़ पर गली नं. 2 स्थित अपने घर पर ही बुलाया था। जहाँ उसने हॉल में रखी टेबल पर रिश्वत की राशि रखवा ली थी। इशारा मिलते ही एसीबी टीम जब अन्दर पहुंची तो अधिशासी अभियंता रामसिंह की पत्नी ने रिश्वत की राशि बगल के कमरे में रखे बेड के नीचे फेंक दी। जहाँ से राशि को बरामद किया गया। बाद में एसीबी आरोपी अधिशासी अभियंता व उनकी पत्नी को पिलानी पुलिस थाने लेकर आई और आगे की कार्यवाही को पूरा किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपी के साथ ही उसकी पत्नी इन्द्रा को भी गिरफ्तार किया गया है।

झुंझुनू एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खान ने बताया कि ठेकेदार संजय ने मामले की शिकायत एसीबी को दी थी। जिसके सत्यापन के बाद आज ट्रैप की कार्रवाई की गई। जिसमें जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता राम सिंह को 60 हजार रुपए की लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी टीम का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माईल खान कर रहे थे। जबकि टीम में एएसआई सुभाष, हेड कांस्टेबल शिशुपाल सिंह एवं कांस्टेबल सुनील, जगदेव, अली मोहम्मद, मनोज व कर्ण सिंह आदि शामिल थे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की थी बजट में घोषणा

1.33 करोड़ महिलाओं को गहलोत सरकार देंगी स्मार्टफोन, चौथी सालगिरह पर बांटने की तैयारी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गहलोत सरकार प्रदेश की 1.33 करोड़ महिलाओं के लिए 7500 करोड़ के स्मार्टफोन खरीद रही है। सरकार ने 1.33 करोड़ मोबाइल हैंडसेट तीन साल तक फ्री 4जी इंटरनेट के साथ सप्लाई करने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। हर स्मार्टफोन करीब 5,639 रुपए की कीमत का होगा। गहलोत सरकार की चौथी सालगिरह से महिलाओं को मोबाइल हैंडसेट बांटना शुरू करने की तैयारी में है। सरकार की एजेंसी राजकॉम्प ने दो दिन पहले ही टेंडर जारी किया है। टेंडर की कुल कीमत 7500 करोड़ है। इसमें 1.33 करोड़ स्मार्टफोन और तीन साल तक इंटरनेट सुविधा शामिल है। देश भर की मोबाइल हैंड सेट मैन्युफैक्चरर और सर्विस प्रोवाइडर कंपनियां टेंडर में हिस्सा लेंगी। इसको लेकर 23 मई को 3 बजे प्री-बिड बैठक रखी गई है। 1 जुलाई को टेक्निकल बिड खुलेगी। इसके बाद ही तय होगा कि कौन सी कंपनी मोबाइल सप्लाई करेगी। सरकार ने टेंडर डॉक्यूमेंट में वर्क ऑर्डर मिलने के एक साल के भीतर सप्लाई की शर्त रखी है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस साल बजट में प्रदेश की 1.33 करोड़ महिलाओं को स्मार्टफोन देने की घोषणा की थी। सरकारी मोबाइल फोन परिवार की मुखिया महिलाओं को दिए जाएंगे जिनके नाम जनाधार कार्ड में है। मोबाइल के साथ तीन साल तक डेटा फ्री होगा। जिन महिलाओं को मोबाइल दिए जाने हैं उनका पूरा रिकॉर्ड सरकार के पास है। उसी रिकॉर्ड के हिसाब से उन्हें सिम अलॉट कर दिए जाएंगे। स्मार्टफोन का डिस्ट्रीब्यूशन जिला और ब्लॉक लेवल पर होगा। जिन महिलाओं को मोबाइल दिए जाएंगे। इन्हें ई-केवाईसी करवाना होगा। आईटी विभाग इसके लिए समय और जगह तय करेगा।

टेंडर में स्मार्टफोन सप्लाई करने वाल कंपनी को भुगतान करने की कई शर्तें लगाई हैं। जो भी कंपनी स्मार्टफोन सप्लाई करेगी उसे डिलीवरी के समय हैंडसेट की कीमत का केवल 30 फीसदी पैसा ही मिलेगा। डिलीवरी के एक साल बाद 35 फीसदी और फिर दो साल बाद बचा हुआ 35 फीसदी पैसा दिया जाएगा।

सरकार की इस शर्त से एक साथ भार नहीं पड़ेगा। इसके अलावा स्मार्टफोन सप्लायर्स को ब्लॉक लेवल पर सर्विस सेंटर बनाने होंगे। कस्टमर केयर की डेडिकेटेड व्यवस्था भी करनी होगी। वर्क ऑर्डर मिलने के बाद एक साल के भीतर पूरे हैंडसेट देने होंगे। एक बैच में कम से कम पांच लाख मोबाइल की सप्लाई करने की शर्त भी रखी गई है।

आईपीएल क्रिकेट मैच पर 10 करोड़ का सट्टा पकड़ा

चार सटोरियों को गिरफ्तार किया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी (क्राइम ब्रांच) टीम ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर 10 करोड़ रुपए का सट्टा पकड़ा है। सटोरियों ने आईपीएल क्रिकेट मैच सट्टे के लिए जयपुर के बगरू इलाके में एक लग्जरी फार्म-हाउस किराए पर ले रखा था। पुलिस ने गिरफ्तार चार सटोरियों से बड़ी संख्या में सट्टा उपकरण और एक कार जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी (क्राइम) परिस देशमुख ने बताया कि क्राइम ब्रांच टीम को सूचना मिली कि बगरू इलाके में एक फार्म हाउस पर आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा की खाईवाली की जा रही है। सूचना पर एडिशनल डीसीपी (क्राइम) सुलेश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी। फार्महाउस में सट्टा लगाते मिले चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सट्टे का मुख्य सरगना राजेश कुमार शर्मा है, जो रिटायर्ड कर्मचारी है। आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने के लिए मार्च 2022 में बगरू इलाके में 50 हजार रुपए प्रति महीने में लग्जरी फार्म हाउस किराए पर लिया था।

जांच में सामने आया है कि सट्टे की लाइन फ्रीडम से ली गई थी। खाईवाली में काम के लिए जा रहे मोबाइल एवं डॉगल में विभिन्न नामों से विभिन्न कंपनियों की सीमें जारी करवा रखी थी। साल 2015 में आरोपी राजेश आईपीएल क्रिकेट मैच की खाईवाली का काम कर रहा है। ब्यावर अजमेर में क्रिकेट मैच पर सट्टे के कई प्रकरण दर्ज है। इसी कारण ब्यावर की जगह जयपुर में बैठकर सट्टा चला रहे थे। पूछताछ में सट्टे का नेटवर्क राजस्थान के जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा और अन्य राज्य गुजरात में होना बताया है। सट्टा लगाते आरोपी राजेश कुमार शर्मा (56) पुत्र भंवर लाल शर्मा निवासी नेहरू गेट ब्यावर सिटी अजमेर हाल गणेशपुरा रोड हाउसिंग बोर्ड ब्यावर अजमेर, भानू प्रसाद शर्मा (38) पुत्र गोपाल शर्मा निवासी कृष्ण नगर मसूदा रोड ब्यावर सिटी अजमेर, भरत सेन (31) पुत्र दुर्गादास सेन निवासी साकेत नगर ब्यावर सिटी अजमेर और महेन्द्र कुमार शर्मा (31) पुत्र चतुर्भज शर्मा निवासी हाउसिंग बोर्ड ब्यावर सिटी अजमेर को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 2 लेपटॉप, 1 टेबलेट, 71 मोबाइल, 12 चार्जर व अन्य उपकरण और 1 कार बरामद की है। सटोरियों के कब्जे से करीब 10 करोड़ रुपए का सट्टा हिसाब-किताब मिला है।

खाचरियावास बोले: राजनीति में उम्र की जगह नहीं और कहा

मेरी सोच अलग, जिसमें दम होगा वो धरती फाड़ कर आ जाएगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर में पार्टी में बड़े बदलाव को लेकर सिफारिशों पर लगी मुहर का विरोध भी शुरू हो गया है। राजस्थान की गहलोत सरकार में खाद्य व आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा राजनीति में उम्र की जगह नहीं है। युवाओं को गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। सोनिया गांधी ने कहा था कि पार्टी ने कांग्रेस के नेताओं को बहुत कुछ दिया है, अब उन्हें पार्टी के लिए सोचना होगा। संगठन के लिए काम करना होगा। इस पर खाचरियावास ने कहा राजनीति में मेरी सोच अलग है। युवा लोगों को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि हम ही फिट हैं या हम ही अच्छा काम कर सकते हैं। सीनियरिटी, एक्सपीरियंस और उम्र भी बहुत कुछ सिखाती है। इस देश में प्रधानमंत्री की कितनी उम्र है आप और हम जानते हैं। उम्र की बात करना अपनी कमजोरी को छिपाना है।

खाचरियावास ने कहा राजनीति एक खुला मैदान है। कांग्रेस हो या बीजेपी, जो डिजर्व करेगा वो आएगा। जिसमें दम होगा वो धरती फाड़ कर आ जाएगा। दीवार तोड़कर आ जाएगा। आज अगर कांग्रेस या बीजेपी में कोई पावरफुल लीडर है। उसे इसलिए रोक दोगे कि वह किसी राजनीतिक परिवार से आता है तो कल दिक्कत खड़ी हो जाएगी। राजनीति में डिजर्वनेस और फिटनेस दो बातें महत्वपूर्ण हैं। जो पब्लिक में पॉपुलर हो। जिसे लोग पसंद करते हों। जो जनता के बीच खड़े होकर खून पसीना बहा सकता हो। काम कर सकता हो। उसको आगे आना चाहिए। जब पार्टियां जनता की पसंद को समझेंगी। उम्र को महत्व नहीं देकर ये महसूस करेंगी कि जनता में इस नेता की आवाज है। तो रिजल्ट मिलेगा। वरना हम जनता की आवाज नहीं समझेंगे तो रिजल्ट नहीं दे पाएंगे।

कांग्रेस विधायक मलिंगा को हाईकोर्ट से जमानत मिली

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को राजस्थान हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। धौलपुर के बाड़ी विद्युत निगम कार्यालय में॰श्वह्न और छ्वश्वह्न से मारपीट के मामले में कोर्ट ने यह जमानत दी है। इससे पहले मलिंगा ने 11 मई को जयपुर के पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव के सामने सरेंडर किया था। 12 मई की दोपहर को उन्हें एससी-एसटी कोर्ट में पेश किया गया। जहां वकीलों की तमाम दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने मलिंगा को 15 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में भेज दिया था। 15 दिन बाद विधायक को फिर से कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए थे। लेकिन इस बीच विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा की ओर से हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल कर दी गई। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर की साधारण सभा 26 को

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की साधारण सभा 26 मई को बुलाई है। मेयर सौम्या गुर्जर की ओर से भेजे गए प्रस्ताव के बाद नगर निगम कमीश्नर ने बोर्ड बैठक का एजेण्डा जारी करते हुए इसकी सूचना बोर्ड के सदस्यों भिजवाई है। पिछले महीने अप्रैल में तत्कालीन निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह और निगम के सभी अधिकारियों ने बोर्ड बैठक का बहिष्कार कर दिया था। इस कारण मेयर को बीच में ही सदन को स्थगित करना पड़ा था, जिसके कारण कई एजेण्डा पर न तो चर्चा हो सकी थी और न ही वे पास हुए थे। इन शेष रहे प्रस्तावों पर चर्चा और उनको पास करवाने के लिए मेयर ने बैठक को दोबारा बुलाया है।

आपको बता दें कि अप्रैल में जब साधारण सभा हुई थी तब मेयर ने इस बैठक को दो दिन चलाने का विचार किया था, ताकि एक-एक पार्षद के समस्याओं को सुना जा सके। लेकिन इस बीच सदन में आयुक्त यज्ञमित्र सिंह के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने के बाद आयुक्त समेत तमाम अधिकारियों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था और सदन से वॉकआउट कर गए थे। अगले दिन मेयर ने दोबारा बैठक कॉल भी की, लेकिन अधिकारियों-कर्मचारियों की पैन डाउन हड़ताल के कारण बैठक नहीं हो सकी थी।

2022 में गुजरात, 2023 में राजस्थान और 2024 में केन्द्र में फिर से भाजपा के प्रचण्ड विजय संकल्प को करेंगे पूराः अरूण सिंह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने प्रदेश कार्यालय पर प्रेस वार्ता में बताया था कि यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस के कुशासन में राजस्थान की स्थिति दयनीय है, प्रदेश अपराधों, महिला उत्पीड़न, आदिवासी, दलित, गरीबों के उत्पीड़न, भ्रष्टाचार में नंबर वन है, तुष्टीकरण की पराकाष्ठा प्रदेश में हो रही है और बहुसंख्यक हिंदुओं को प्रताडित किया जा रहा है।

19 से 21 के शिविर में पूरे देशभर से आने वाले राष्ट्रीय पदाधिकारियों के बीच राजस्थान के हालातों पर भी चर्चा हुई । पूरी तरीके से फेल हो चुकी गहलोत सरकार केवल केंद्र पर आरोप और प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है, राजस्थान प्रदेश आज लगातार विकास के मामले में पिछड़ रहा है, प्रदेश की सरकार प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं को राजस्थान में लागू नहीं करती, जबकि अन्य भाजपा शासित राज्यों में जनता को प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं का भरपूर लाभ मिल रहा है, इस परिदृश्य से यह बैठक राजस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस बैठक के बाद गहलोत सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी।

अवैध खनन संयुक्त अभियान

तीन दिन में 25 हजार टन खनिज जब्त, एक करोड़ से अधिक की राशि वसूलः डॉ. सुबोध अग्रवाल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ पांच विभागों द्वारा 15 मई से चलाए जा रहे संयुक्त जांच अभियान के तीन दिनों में 257 प्रकरणों में 248 वाहन व मशीनरी आदि जब्त कर एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि वसूल की जा चुकी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि वसूल राशि के अलावा 223 वाहन व मशीनरी संबंधित थानों में सुपुर्द होने के साथ ही करीब 25 हजार टन खनिज जब्त किया जा चुका है। अब तक 21 एफआईआर पुलिस में दर्ज कराई जा चुकी है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि जिला कलक्टर द्वारा माइंस, वन, राजस्व, परिवहन और पुलिस विभाग के संयुक्त जांच दल में राजस्व विभाग से उपखण्ड स्तर के अधिकारी, पुलिस विभाग से उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी, परिवहन विभाग से उपनिरीक्षक-निरीक्षक स्तर के अधिकारी और वन विभाग से रेंजर स्तर के अधिकारी लगाये गये हैं। माइंस विभाग से खनिज अभियंता/खनिज अभियंता सतर्कता, सहायक खनिज अभियंता/सहायक खनिज अभियंता सतर्कता, भू वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारी शामिल होंगे। इसके साथ ही विभाग में उपलब्ध खनिज रक्षक और बोर्डर होमगार्ड को शामिल किया गया है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि अभियान के दौरान तीन दिनों में सर्वाधिक 29 प्रकरण जयपुर में दर्ज करने के साथ ही 30 वाहन की जब्ती व सर्वाधिक 11 लाख 55 हजार 863 रुपये की वसूली की जा चुकी है। जयपुर में अब भी 29 जब्त वाहन मशीनरी थानों में हैं तो 359 टन खनिज जब्त है। राज्य में सर्वाधिक 21346 टन खनिज की जब्ती बूंदी में की गई है। सर्वाधिक 10 एफआईआर सिरोही में दर्ज हुई है। भीलवाड़ा में 22, जोधपुर में 17, अजमेर व सिरोही में 16-16, नागौर में 12 व पाली, टोंक में 11-11 अवैध खनन, परिवहन व भण्डारण के प्रकरण आए हैं।

निदेशक माइंस कुंज बिहारी पण्डया ने बताया कि अभियान के दौरान खान, राजस्व, परिवहन, वन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के प्रकरणों में अपने अपने विभागीय नियमों के अनुसार सख्त से सख्त निरोधात्मक व कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त दल द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस बल की व्यवस्था की जा रही है। जब्त शुदा खनिजों में प्रमुख रूप से बजरी के साथ ही मेसेनरी स्टोन, फेल्सपार, क्रेशर डस्ट, चाईनाक्ले, सिलिका सैंड, लाईम स्टोन, बेन्टोनाईट, क्रेशर ग्रिट आदि खनिजज है।

19 साल से फरार,नाम बदलकर एमपी में चला रहा था ऑटो रिपेयर की दुकान

हिलव्यू समाचार

कोटा। भीमगंज मंडी थाने में दर्ज चेक अनादरण के 7 मामलों में 19 साल से वांछित स्थाई वारंटी रविंद्र सिंह खंडूजा पुत्र नरेंद्र सिंह (53) को थाना पुलिस ने साइबर सेल के सहयोग से मध्य प्रदेश में इंदौर जिले के एचआईजी कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। जहां आरोपी नाम बदलकर किराए के मकान में रह रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी पर 5000 रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

शहर एसपी केसर सिंह शेखावत ने बताया कि रविंद्र सिंह खंडूजा साल 2003 तक स्टेशन रोड राम मंदिर के सामने ऑटो रिपेयर की दुकान करता था। दुकान में पुरानी मोटरसाइकिले खरीदने-बेचने के साथ रिपेयरिंग का काम किया जाता था। साल 2003 में मोटरसाइकिल खरीदने के लिए चेक देकर जानकारों व आसपास के लोगों से काफी पैसे उधार ले लिए ओर पैसे लेकर आरोपी कोटा से फरार हो गया। दिए गये चेक बाउंस हो जाने पर आरोपी के विरुद्ध सात अलग-अलग मुकदमे एन आई एक्ट में दर्ज किए गए।

एसपी शेखावत ने बताया कि फरार होने के बाद आरोपी ने कोटा से अपना संपर्क पूरी तरह विच्छेद कर दिया और किसी से भी संपर्क नहीं बनाया। थाना पुलिस लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी। 19 साल बाद आरोपी के इंदौर में छुपे होने की जानकारी मिली। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण जैन एवं सीओ कालूराम वर्मा के निर्देशन तथा थाना अधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा के नेतृत्व में थाना भीमगंज मंडी से स्पेशल टीम गठित की गई।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

04

जयपुर >> शनिवार, 21 मई, 2022

प्रदेश के सरकारी पदों की भर्ती परीक्षाओं में जमकर हो रही धांधली के विरोध में आम आदमी पार्टी स्थानीय युवाओं के साथः मयंक त्यागी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आम आदमी पार्टी के जयपुर स्थित प्रदेश मुख्यालय में 19 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जिसे प्रदेश प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी मयंक त्यागी ने संबोधित किया तथा उनके साथ आम आदमी पार्टी के बीकानेर के संभाग प्रभारी तथा युवा नेता सौरभ चौधरी भी मौजूद रहे।

मयंक त्यागी ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज राजस्थान सरकार ने एक बहुत बड़ी खबर को दबाने की कोशिश की।जेईएन की भर्ती के 40000 अभ्यर्थियों के साथ भी खिलवाड़ कर दिया गया। जेईएन भर्ती परीक्षा में प्रश्नपत्र के लिफाफे खुले हुए थे , जिन्हे देख कर विरोध करने पर छात्रों से कहा गया कि वो लिख कर दे दें कि उन्हें परीक्षा नहीं देनी।

त्यागी ने कहा कि वो एक सवाल पूछना चाहते हैं कि जब डोटासरा मंत्री थे और रीट के पेपर लीक हुए थे और बाद में डोटासरा को हटा दिया गया था अब गहलोत के पास गृह विभाग है तो क्या अब वो इस बात की ज़िम्मेदारी लेंगे ?

इधर भाजपा में श्री गजेंद्र सिंह शेखावत को बीजेपी सरकार ने जलशक्ति मंत्री का दर्ज़ा दे तो दिया मगर पिछले साढ़े तीन साल से आज तक वो अपने क्षेत्र के लिए एक भी योजना नहीं ला पाए, जिससे स्थानीय जनता को लाभ हो सके । इन लोगों ने सिर्फ इन्ही प्रदेशो के लिए काम करने का सोचा जहाँ चुनाव हो रहे हैं या जहाँ इनके सांसद अधिक हैं । आज बीजेपी बार बार कह रही है कि वो मोदी जी को चेहरा बना रही है तो क्या उसे स्थानीय नेतृत्व पर अब भरोसा नहीं रहा !

अंत में उन्होंने कहा कि पूरे राजस्थान कोई भी युवा यदि परीक्षा सम्बन्धी ऐसे मुद्दों से जूझ रहा है तो वो निःसंकोच उन्हें फोन कर सकता है, उनकी आवाज़ को मंच दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने आरटीई के तहत स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी निकाली

शिक्षा के अधिकार ने गरीब परिवारों के बच्चों के लिए भी खोले निजी स्कूलों के द्वारः कल्ला

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने मंगलवार को शिक्षा संकुल में शिक्षा के अधिकार के तहत शैक्षिक सत्र 2022-23 के लिए लॉटरी निकाली। लॉटरी के आधार पर वरीयता क्रम के अनुसार बच्चों को राज्य के गैर सरकारी विद्यालयों में कक्षा-1 में 25 प्रतिशत सीटों पर निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा के अधिकार ने गरीब और अमीर के बीच की खाई को मिटाने का काम किया है। अब गरीब परिवार के बच्चों के लिए भी महंगी फीस वाली निजी स्कूलों के द्वार खुल गए हैं। उन्होंने कहा कि आरटीआई में वरियता क्रम का निर्धारण लॉटरी के

माध्यम से किया गया है, जिसकी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। लॉटरी की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने में राज्य देश के अग्रणी राज्यों में से है। उन्होंने कहा कि चयन में आरक्षण का भी ध्यान रखा गया है।

डॉ. कल्ला ने कहा कि ढाई लाख रुपए तक की पारिवारिक आय वाले बच्चों का आरटीई के तहत निजी स्कूलों में एडमिशन किया गया है। इन बच्चों की फीस सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में आरटीई के तहत 8 लाख से अधिक बच्चे प्रदेश में निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। शिभा मंत्री ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा आटीई के नियमों की पालना करना अनिवार्य है। नियम नहीं मानने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए राज्य सरकार द्वारा उनकी मान्यता भी रद्द की जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्कूलों से अपेक्षा की जाती है कि आरटीई और नॉन आरटीई के बच्चों में स्कूल द्वारा किसी भी तरीके का भेदभाव नहीं अपनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि निजी शिक्षण संस्थानों के क्रियाकलापों के विनियमन के लिए राज्य सरकार द्वारा प्राधिकरण भी बनाया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री पी के गोयल ने बताया कि प्रदेश में आरटीई के लिए पात्र 36 हजार 896 विद्यालयों में से 29 हजार 684 विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन प्राप्त हुए थे। लॉटरी के लिए कुल 2 लाख 3 हजार 348 बच्चों ने आवेदन किया, जिसमें 1 लाख 09 हजार 791 बालक, 93 हजार 554 बालिकाएं तथा 3 थर्ड जेंडर बालक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा के अधिकार के तहत एक विद्यार्थी अधिकतम 5 विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता था।

इस अवसर पर राज्य परियोजना निदेशक श्री मोहन लाल यादव सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

किरोड़ी बोले...रद्द हो कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा

13,15,16 का भी पेपर हुआ आउट, पुलिस और TCS ने की गड़बड़ी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर विरोध शुरू हो गया है। राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कॉन्स्टेबल परीक्षा में सिर्फ 14 मई ही नहीं बल्कि चारों दिन का पेपर लीक हुआ है। ऐसे में पूरी भर्ती परीक्षा को रद्द करते हुए नए सिरे से परीक्षा का आयोजन होना चाहिए। इसके साथ ही इस पूरे प्रकरण की CBI से जांच होनी चाहिए।

किरोड़ी लाल ने कहा कि सोची समझी साजिश के तहत भर्ती परीक्षा का पेपर आउट किया गया है। जिसके लिए परीक्षा का आयोजन कराने वाली टीसीएस कंपनी के साथ ही राजस्थान पुलिस के कई आला अधिकारी भी शामिल है। जिन्होंने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए इस पूरे पेपर लीक प्रकरण को अंजाम दिया है। मीणा ने कहा कि टीसीएस कंपनी सिर्फ ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन कराती है। लेकिन ऑफलाइन आयोजित होने वाली कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए पुलिस के अधिकारियों ने टीसीएस को परीक्षा का आयोजन कराने की जिम्मेदारी सौंपी। जबकि टीसीएस के खिलाफ पहले भी कई बार भर्ती परीक्षा के आयोजन में धांधली की शिकायत

दर्ज हो चुकी है। बावजूद इसके पुलिस ने सभी शिकायतों को दरकिनार करते हुए टीसीएस को परीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी।

किरोड़ी ने कहा कि सिर्फ 14 मई ही नहीं, बल्कि 13, 15, और 16 मई का पेपर भी परीक्षा से पहले ही सोशल मीडिया पर लीक हो गया था। लेकिन पुलिस के अधिकारियों ने उसे वायरल पेपर बताकर मामला दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सिर्फ पेपर लीक ही बल्कि जिन सेंटरों पर परीक्षा का आयोजन किया गया वह भी ब्लैक लिस्टेड थी। लेकिन सरकारी सेंटर को छोड़ कॉन्स्टेबल भर्ती प्राइवेट सेंटर पर आयोजित की गई।

इससे साफ जाहिर होता है कि भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली हुई है। वहीं अब सरकार रीट भर्ती परीक्षा के आयोजन के लिए भी सरकार ने टीसीएस को जिम्मेदारी दी है। ऐसे में कॉन्स्टेबल, JEN , रेलवे के बाद अब रीट का पेपर भी आउट होने की सम्भावना बढ़ गई है। जिससे तैयारी कर रहे लाखों युवाओं का भविष्य अधर-झूल में अटक गया है।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश के 18 लाख युवाओं का भविष्य कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा से जुड़ा हुआ है। मीणा ने कहा कि भर्ती परीक्षा में हुई धांधली में सत्ता के कई रसूखदार लोग भी शामिल है। ऐसे में राजस्थान पुलिस और स्ह्रत इस मामले में कुछ नहीं कर पाएगी। इसलिए इस पूरे मामले की CBI से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि SOG अब तक REET के आरोपियों को नहीं पकड़ पाई है। ऐसे में पेपर लीक प्रकरण में राजस्थान अब उत्तर प्रदेश और बिहार से भी बदतर स्थिति में पहुंच चुका है।

भैरोंसिंह शेखावत ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे राजनीती के शीर्ष तक पहुँचायाः वसुंधरा राजे

'धरतीपुत्र भैरों सिंह शेखावत' पुस्तक के बहाने शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने 'धरतीपुत्र भैरों सिंह शेखावत' पुस्तक का विमोचन करते हुए सोमवार को सभागार में मौजूद विधायकों, बीजेपी नेताओं और राजपूत समाज के संगठनों को बड़ा सियासी मैसेज भी दिया। वसुंधरा ने कहा आज ऐसा लग रहा है कि भैरोंसिंह शेखावत खुद हम लोगों के बीच में एक परिवार के रूप में है। 33 जिलों के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का काम जो उन्होंने इतने सालों से किया। ऐसा लगता है वो हम अपनों के बीच में ही है। आज हम सब उनकी यादों के अंदर बह गए हैं। उन्होंने सभी जिलों से इकट्ठा हुए लोगों को प्रणाम करते हुए कहा कि यह सब भैरोंसिंह जी का ही चमत्कार है। पुस्तक तो बहाना है, हम सबको इकट्ठा होकर उनकी याद करने का इससे बहाना मिल गया।

राजे ने कहा कोई दोराय नहीं है राजमाता साहब तो मुझे राजनीति में लेकर आई थी। लेकिन मैं इस जगह पर नहीं होती अगर भैरोंसिंह जी ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे यहां तक पहुंचाने का काम नहीं किया होता। मुझे ऐसा मौका कभी मिलता मैं नहीं समझती। मुझे राजस्थान की सीरियस राजनीति में कोई लेकर आया, तो वो भैरोंसिंह शेखावत थे। वो आज भी मेरे प्रेरणा स्त्रोत हैं और रहेंगे। मैं उनकी चलती फिरती राजनीति की पाठशाला की एक विद्यार्थी हूँ।

राजनीति को सेवानीति में बदलोः राजे ने कहा भैरोंसिंह शेखावत साहब ने मुझे यही कहा था कि राजनीति को सेवानीति में बदलो। अपना नहीं दूसरों का सोचकर काम करो। मन और दिल से उसमे लगोगे तो तकलीफ जरूर पाओगे लेकिन आखिर में आपको कोई मात नहीं दे सकेगा। उन्होंने कहा था राजनीति में जितनी बाधाएं आती हैं। जितना कठिन समय आता है। उतना ही व्यक्ति तपता है और मजबूत बनता है। उन्होंने दुख और सुख में समान रहना सीखने की बात कही थी। तपने की बात कही थी क्योंकि इसमें हमारे परायों की भी पहचान बनती है। कहा था उसे समझने लगोगे तभी इस राजनीति में आगे बढ़ पाओगे। राजे ने कहा भैरोंसिंह जी ने कहा था कि मुश्किलें तो आती हैं। जब आती हैं तो सबसे पहले वो लोग आपसे अलग होंगे, जिनके लिए आपने सबसे ज्यादा किया है। लेकिन इस सबकी चिन्ता नहीं करनी है। अपने रास्ते पर मजबूती से चलते रहना है। जिस चीज में विश्वास रखा है उसकी लड़ाई लड़ते रहना सबसे महत्वपूर्ण है।

राजे ने शायराना अंदाज में कहा 'हम ही ने बख्शी थी धड़कने जिन पत्थरों को, जुबान जब मिली तो हम ही पर बरस पड़े'। उन्होंने कहा राजनीति में उतार चढ़ाव आते रहते हैं। भैरों सिंह जी ने भी ऐसा वक्त देखा जब उन्हें भी दुखी होना पड़ा, वो भी आहत हुए। जब वो 1996 में हार्ट सर्जरी के लिए क्लेवलिन गए। जयपुर में उनकी सरकार गिराने का षड़यंत्र चल रहा था। उनमें ऐसे लोग भी शामिल थे, जिनकी उन्होंने बहुत मदद की थी। लेकिन वो लोग सफल नहीं हुए। भैरोंसिंह इस घटना से इमोशनली दुखी हुए। लेकिन राजनीति में कोई उनका एक बाल भी बांका नहीं कर पाया।

राजस्थान में फैल सकते हैं: राजे ने कहा भैरोंसिंह शेखावत के दो सपने थे। एक हम राजस्थान को गरीबी से कैसे दूर कर सकते हैं। दूसरा देश में सबसे विकसित राज्य की श्रेणी में राजस्थान को कैसे कर सकते हैं। हम अपने राज के समय इन सपनों को पूरा करने की कोशिश करते थे। अब मैं चाहती हूं कि सब यहां से एक संकल्प लेकर जाएं। सब लोग मुख्यमंत्री, मंत्री और पार्टी के बड़े कद के नेता नहीं बनने वाले। लेकिन हम बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। सबसे बड़ी चीज हमारे हाथ में है कि हमारी पार्टी बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी हैं। हम पूरे राजस्थान में फैल सकते हैं। भैरोंसिंह शेखावत का सपना अब हमारा सपना है। अगर हम पूरे राजस्थान में फैल जाते हैं, तो वो सपने हम पूरा कर सकते हैं। यह मेहनत का काम है।

सूचना कानून : 7 अफसरों पर पांच-पांच हजार जुर्माना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सूचना आयोग ने सूचना आवेदनों के प्रति उपेक्षा भाव दिखाने वाले नगरीय विकास अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की है। आयोग ने ऐसे सात मामलों में अफसरों पर पांच पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। इनमे तीन मामले बीकानेर नगर विकास न्यास के है। आयोग ने अपने आदेशों की प्रतियां कार्मिक विभाग को भेजने का निर्देश दिया है।

इन मामलों में सुनवाई के दौरान सूचना आयुक्त नारायण बारेठ ने कहा लम्बे समय तक नागरिकों के सूचना आवेदनों की अनदेखी करना संसद द्वारा पारित कानून की अवज्ञा है। आयोग ने संगरिया नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। आयोग के सम्मुख एक नागरिक विनोद कुमार ने सूचना देने में कोताही बरतने पर नगर पालिका के विरुद्ध शिकायत की थी। वे कोई दो साल से सूचना के लिए इंतजार कर रहे है। इस पर आयोग ने पालिका प्रशासन को सूचना मुहैया कराने की हिदायत दी है।

आयोग ने दो अलग अलग मामलों में बीकानेर जिले में श्री डूंगरगढ़ नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी पर पांच पांच हजार रूपये की शास्ति आरोपित करने का निर्देश दिया है। आयोग ने सूरतगढ़ नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी पर सूचना अधिकार कानून की अवहेलना करने पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है / इस मामले में एक स्थानीय नागरिक परविंदर कुमार ने आयोग में अपील दाखिल कर कहा आवेदन के ढाई साल गुजरने के बाद भी वे सूचना से महरूम है।

सूचना आयुक्त बारेठ ने बीकानेर नगर विकास न्यास सचिव पर तीन अलग अलग मामलों में पांच पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है।इन तीनो ही मामलों में कई बार अवसर देने के बाद भी न्यास ने न तो कोई जवाब दिया ,न हीं सूचना उपलब्ध करवाई / इस पर आयोग ने गहरी नाराजगी जाहिर की।

तकनीकी सहायक भर्ती परीक्षा तैयारियों की वीसी से समीक्षा

1512 पदों पर भर्ती के लिए 20 से 26 मई तक आयोजित होगी परीक्षा

राजस्थान के 10 जिलों में 46 परीक्षा केन्द्रों पर दो पारियों में परीक्षा का आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सैना ने तकनीकी सहायक तृतीय के 1512 पदों पर भर्ती के लिए 20 से 26 मई तक आयोजित होने वाली प्रथम चरण की परीक्षा के लिए की गई तैयारियों की गुरूवार 19 मई को वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समीक्षा की। उन्होने कहा कि परीक्षा के छह दिन बहुत महत्वपूर्ण है और परीक्षा कार्य से जुडे सभी कार्मिको को टीम वर्क से कार्य करते हुए इस परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक करवाना है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा निष्पक्ष तरीके से हो एवं परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर किसी प्रकार की असुविधा नही हो। मुख्यमंत्री की बजट धोषणा के क्रम में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक आने व वापस जाने के लिए साधारण व द्रुतगामी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है।

जयपुर डिस्कॉम के मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री राकेश शर्मा ने प्रदेश के 10 जिलों में 46 परीक्षा केन्द्रों

पर आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए की गई तैयारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि वेन्यू आफिसर, वैन्यू इन्चार्ज व विजिलेंस टीम और साइबर सिक्योरिटी टीम आदि की नियुक्ति का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और उनके द्वारा परीक्षा के दौरान किए जाने वाले कार्य व जिम्मेदारी से अवगत करा दिया गया है। परीक्षार्थियों का परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक होगा। 9 बजे बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश नही दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आईरिश (रेटिना स्केन) के बाद परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के दौरान मैटल डिटेक्टर से जांच की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के लिए विजिलेंस टीमों का गठन भी किया गया है।

परीक्षा हेतु जयपुर, अलवर, कोटा, अजमेर, सीकर, उदयपुर, जोधपुर, हनुमानगढ, श्रीगंगानगर एवं बीकानेर जिलों में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 10 से 12 एवं दोपहर 3 से 5 बजे तक दो पारियों में परीक्षा आयोजित होगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्थानीय पुलिस की व्यवस्था भी रहेगी। इसके साथ ही जयपुर स्थित परीक्षा केन्द्रों पर बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केन्द्र पर पहुंचने में सहायता के लिए जयपुर में मुख्य रेल्वे स्टेशन, गांधीनगर रेल्वे स्टेशन, सिंधी कैम्प बस स्टेण्ड, नारायण सिंह सर्किल, अजमेर रोड 200 फीट बायपास चौराहा, चौमूं पुलिया एवं सीतापुरा में सहायता केन्द्र/हैल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इन सहायता केन्द्र/हैल्प डेस्क पर निगम के कर्मचारी 19 मई से 26 मई, 2022 तक तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि विद्युत भवन में मुख्य कार्मिक अधिकारी के नियंत्रणाधीन एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। यदि कोई भी अन्य व्यक्ति किसी परीक्षार्थी की जगह परीक्षा देते हुए अथवा परीक्षार्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाया जाएगा तो उनके खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 के तहत कारवाई की जावेगी।

वसुंधरा में विजनरी सीएम की छविः कैलाश मेघवाल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के खेमे ने एक बार फिर जयपुर में बड़ा शक्ति प्रदर्शन कर सीएम फेस की दावेदारी जता दी है। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी विधायक कैलाशचन्द मेघवाल ने जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत के जीवन पर पुस्तक विमोचन के मौके पर कहा वैचारिक दृष्टि से विधानसभा को दिशा देने वाला कोई आदेश नहीं आ रहा। ये स्थिति ठीक करने के लिए हमें एक विजनरी मुख्यमंत्री की जरूरत है। इस नाते मैं कहना चाहता हूं वसुंधरा राजस्थान आपकी तरफ देख रहा है। इस पर पूरा ऑडिटोरियम वसुंधरा राजे जिन्दाबाद के नारों से गूंज उठा। इसके बाद कैलाश मेघवाल ने कहा राजस्थान इसलिए आपकी ओर नहीं देख रहा है कि आप मुख्यमंत्री रही हैं।

नेता कौन होगा ये केन्द्र की चिन्ताः सतीश पूनिया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल की ओर से वसुंधरा राजे में विजनरी सीएम की छवि दिखने और राजस्थान की राजनीति को दिशा देने के बयान पर पलटवार करते हुए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा है नेता कौन होगा ये चिन्ता हमारी नहीं केन्द्र की है। उन्होंने कहा बीजेपी का मजबूत पक्ष यह है कि केन्द्र बहुत मजबूत है। शीर्ष नेतृत्व दमदार है। पार्टी का संसदीय बोर्ड अपने आप में सक्षम है। मुझसे पहले बहुत सारे नेताओं ने इसे स्पष्ट कर दिया है। पार्टी के भीतर नेता कौन होगा। यह हमारे यहां कोई मुद्दा नहीं है। हमें सख्त निर्देश और सीधा डायरेक्शन है कि 2023 में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो। हम अच्छे बहुमत के साथ सत्ता में आएं। पूनिया ने कहा राजनीति और लोकतंत्र में हर तरह की चर्चाओं की जगह है। बहुत सारी गॉसिप होती हैं। बहुत सारी दिखती हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादकः हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**